खबर संक्षेप

करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की दर्दनाक मौत, छाया मातम

सतना। चित्रकूट थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवंतपुर मोड़ के समीप रजुला गांव में शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई पुलिस में मार्क टाइम किया है घटना की जांच की जा रही है और उसके मुताबिक मरने वालों में 10 वर्षीय सुशील पाल और उनकी 45 वर्षीय मां अनीता पाल शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक चित्रकूट क्षेत्र के रजुला गांव में कूलर चलाने की कोशिश एक परिवार के लिए बड़ी त्रासदी बन गई। 10 वर्षीय सुशील पाल घर में कूलर चालू करने के लिए उसका प्लग बिजली के बोर्ड में लगा रहा था,तभी वह करंट की चपेट में आ गया। बेटे को बिजली से चिपका देख उसकी मां अनीता पाल उसे बचाने दौड़ीं। बेटे को छुड़ाने के प्रयास में मां भी करंट की चपेट में आ गईं और दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों द्वारा दोनों को जानकीकुंड अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

सुबह-सुबह बदमाशों के हौसले बुलंदः स्कूल के पास महिला से चेन लूटकर नकाबपोश फरार

सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के किस्तकूला स्कूल के पास नकाबपोशों में एक महिला को लूट लिया और फरार हो गए। घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक शहर में पुलिस की सख्ती के दावों के बीच शुक्रवार सुबह चेन स्नेचिंग की एक बड़ी वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में स्कूल के पास बच्चे को छोड़कर घर लौट रही सविता सिंह पटेल को तीन बाइक सवार नकाबपोश युवकों ने अपना निशाना बनाया और गले से चेन लूटकर फरार हो गए। सुबह के संवेदी समय में स्कूल के आसपास हुई इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस गश्त की प्रभावशीलता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान और भागने के रास्तों का पता लगाने में जुटी है।

वन भूमि पर अवैध जुताई रोकने गए वनकर्मियों पर तलवारों से हमला, ट्रैक्टर छुड़ा ले गए

सतना। नागौद वनपरिक्षेत्र के परसमनिया पहाड़ में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2बजे वन कर्मियों पर हमला करके कुछ लोग ट्रैक्टर छुड़ाकर भाग गए। बताया जाता है कि नागौद वनपरिक्षेत्र के परसमनिया पहाड़ पर अवैध रूप से वनभूमि पर जुताई कर उस पर कब्जा करने के प्रयास को विफल करने पहुंचे वनकर्मियों पर हथियारों से लैस बदमाशों ने तलवार से हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से घबराए निहत्थे वनकर्मी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। बदमाश मौके से ट्रैक्टर और अन्य जप्त सामग्री छुड़ाकर फरार हो गए। घटना के बाद सहमे वनकर्मियों ने सुबह नागौद थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी,लेकिन दोपहर बीत जाने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने से खनन और भू-माफियाओं के बुलंद हौसलों और प्रशासनिक कमजोरी की पोल खुल गई है।

रामनगर में थाना प्रभारी ने सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिजनों का किया सम्मान

सतना। देश की संप्रभुता,स्वतंत्रता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा समर्पित करने वाले भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों के सम्मान में रामनगर विकासखंड में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ने क्षेत्र के सेवानिवृत्त सैनिकों को उनके निवास स्थान एवं थाने पर आमंत्रित कर पुष्पमाला पहनाई,अंगवस्त्र से सुसज्जित किया और श्रीफल भेंट कर उनके प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान यह रेखांकित किया गया कि सैनिकों का अदम्य साहस,अनुशासन और समर्पण देश की एकता की सबसे मजबूत नींव है।

दिल्ली में आज प्रोटेस्टः महाकौशल समेत तीन ट्रेनें निरस्त, सतना और जबलपुर के यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

सतना। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के विरोध में 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन और संभावित यातायात दबाव को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है।



रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और असुविधा से बचने के लिए जबलपुर से दिल्ली जाने वाली तीन महत्वपूर्ण ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। इस फैसले से सतना और मार्ग के अन्य स्टेशनों से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

क्यों लिया गया फैसला?

रेलवे के जनसंपर्क विभाग के अनुसार,21अक्टूबर को सुबह 5बजे से दोपहर 2बजे तक नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के आसपास भारी यातायात दबाव रहने की आशंका है। प्रदर्शन के मद्देनजर यात्रियों को स्टेशनों तक पहुंचने और वहां से आगे की यात्रा में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन ट्रेनों की वापसी सेवाओं के संबंध में अलग से सूचना जारी की जाएगी।

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार,जबलपुर से चलने वाली निम्नलिखित तीन ट्रेनें निरस्त रहेंगी जिसमें
गाड़ी संख्या 22185ः जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12189ः जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन महाकौशल सुपरफास्ट एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12191ः हजरत निजामुद्दीन एमपी संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस शामिल है।

क्या है पूरा मामला?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के विरोध में कुछ राजनीतिक और छात्र संगठनों ने 21अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन की योजना बनाई है। प्रदर्शन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी उठाई जा सकती है। जंतर-मंतर सहित मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में यह प्रदर्शन प्रस्तावित है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है और निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए बिना अनुमति के जुटने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित ट्रेन की अद्यतन स्थिति (लाइव स्टेटस) अवश्य जांच लें।

जिला अस्पताल के आभा कार्ड काउंटर पर तोड़फोड़, मचा हड़कंप



सतना। जिला अस्पताल परिसर में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट यानी आभा कार्ड बनाने के लिए निर्धारित कक्ष में तोड़फोड़ की घटना सामने आई। इस अचानक हुई तोड़फोड़ की घटना से अस्पताल परिसर में तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद आक्रोशित जिला अस्पताल के कर्मचारी न्याय की माँग और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के लिए सीधे सिटी कोतवाली थाने पहुँचे। कर्मचारियों ने पुलिस को पूरी घटना की लिखित शिकायत दी और मामला दर्ज कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की माँग की। हालांकि,अभी तक तोड़फोड़ करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान और अस्पताल को हुए कुल नुकसान के बारे में विस्तृत और आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर मामले की तहकीकात में जुटी हुई है और अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों का सुराग मिल सके।

नवरात्रि मेले से पहले प्रशासन सख्त: मैहर में मोबाइल कोर्ट लगाकर ऑटो चालकों को दी गई समझाइश

मैहर। आगामी शारदीय नवरात्रि मेले को ध्यान में रखते हुए मैहर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से मजिस्ट्रेट द्वारा एक विशेष मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। पुलिस की उपस्थिति में आयोजित इस कोर्ट के माध्यम से जिले के सभी ऑटो चालकों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे नवरात्रि पर्व की शुरुआत से अनिवार्य रूप से निर्धारित ड्रेस कोड में रहें और अपने बैच,बिल्ले व नाम प्लेट का उपयोग करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को पुख्ता करना, मनमाना किराया वसूलने पर रोक लगाना और किसी भी अप्रिय स्थिति में त्वरित जांच सुनिश्चित करना है।

दो दर्जन अपराधों में लिप्त कुख्यात शराब तस्कर आशीष चौरसिया गिरफ्तार



मैहर। मैहर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात शराब तस्कर आशीष चौरसिया को धर दबोचा है। आरोपी के खिलाफ अकेले मैहर कोतवाली थाने में अवैध शराब तस्करी के लगभग दो दर्जन गंभीर अपराध दर्ज हैं और वह लंबे समय से पुलिस की रडार पर था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया,जहाँ से उसे पूछताछ और आगे की तहकीकात के लिए तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस कार्रवाई से स्थानीय स्तर पर अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त अन्य तत्वों में भी हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान तस्करी से जुड़े कई अन्य अहम खुलासे होने की पूरी संभावना है।

लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

सतना। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर के निर्देशन और जीआरपी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेश राज के नेतृत्व में फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है। जीआरपी की टीम ने मुखबिर तंत्र की सूचना पर लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटी अनुज वंशकार (निवासी बजरहा टोला,सतना) को धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था और वह लगातार गिरफ्तारी से बच रहा था। चौकी प्रभारी के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक मुनेन्द्र मिश्रा एवं आरक्षक सज्जन सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारंटी को दबोचा और विधिवत रूप से न्यायालय के समक्ष पेश किया।

बाल भारती अमरपाटन ने सांदीपनि मैहर को हराकर जीती चमचमाती ट्रॉफी



मैहर। जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का महा-फाइनल मुकाबला मैहर खेल मैदान पर बेहद रोमांचक माहौल में संपन्न हुआ। विधायक एवं संघ के संरक्षक श्रीकांत चतुर्वेदी तथा सचिव अमित कुमार मिश्रा के विशेष मार्गदर्शन में हुए इस खिताबी मुकाबले में बाल भारती विद्यालय अमरपाटन ने शासकीय सांदीपनि विद्यालय मैहर को 48 रनों से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बाल भारती ने निर्धारित ओवरों में 191 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया,जिसमें साहिल तोमर ने शानदार 89रन बनाए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। जवाब में सांदीपनि मैहर की पूरी टीम 143 रनों पर सिमट गई।घातक गेंदबाजी करने वाले शिवांग गौतम को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने विजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ट्रांसपोर्ट नगर की समस्याओं पर निगमायुक्त डॉ.गौड़ा का आश्वासन



फ्रीहोल्ड के लिए पवन मलिक ने की पहल

सतना। ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने संरक्षक पवन मलिक के नेतृत्व में नगर निगम आयुक्त डॉ.नागार्जुन बी.गौड़ा (आईएएस) से मुलाकात कर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। साथ ही,भूखंडों को फ्रीहोल्ड कर मालिकाना हक देने के लिए विशेष प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

ट्रांसपोर्ट नगर की समस्याओं पर निगमायुक्त का आश्वासन

ज्ञापन में नियमित साफ-सफाई,कचरा वाहन की व्यवस्था और जल निकासी के लिए नालियों के निर्माण की मांग की गई। संघ के संरक्षक पवन मलिक ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में सैकड़ों भवन बन चुके हैं, लेकिन नालियों के अभाव में पानी सड़कों,पार्किंग स्थलों और खाली भूखंडों में जमा हो रहा है। नियमित सफाई और कचरा संग्रहण की उचित व्यवस्था नहीं होने से भी व्यापारियों को परेशानी हो रही है। निगमायुक्त डॉ.नागार्जुन बी.गौड़ा ने समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में संघ अध्यक्ष कुद्दूस अंसारी,महामंत्री मनीष सोनी,कोषाध्यक्ष तंजीम अख्तर एवं साजन लाल यादव शामिल रहे।

मैहर में तीन दिवसीय गायन कार्यशाला सम्पन्न



मैहर। संस्कृति संचालनालय,भोपाल के सौजन्य से 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शासकीय संगीत महाविद्यालय,मैहर के सभागार में 6 से 8 अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय गायन कार्यशाला का समापन गुरुवार शाम हुआ। कार्यशाला में मैहर के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों को गायन के साथ विभिन्न वाद्य यंत्रों के संबंध में जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इंदौर से आए संगीत प्रशिक्षक सुनील मसूरकर ने बच्चों को जुगलबंदी,सुर और ताल की बारीकियों से अवगत कराया। श्री मसूरकर ने कहा कि कार्यशाला के दौरान बच्चों में संगीत के प्रति विशेष उत्सुकता और सीखने की ललक देखने को मिली। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा के आदर भाव के साथ बच्चों ने विभिन्न संगीत वाद्य यंत्रों का अभ्यास एवं वादन किया। समापन अवसर पर मैहर बैंड के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीन दिवसीय कार्यशाला ने विद्यार्थियों को संगीत की विभिन्न विधाओं को समझने और उनके व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।मैहर बैंड के कलाकार भरत नायक,रमाकांत त्रिपाठी,उत्तम पांडे,सौरभ कुमार चौरसिया (बैंड मास्टर)-नलतरंग,बृजेश कुमार द्विवेदी-सरोद,गोकर्ण प्रसाद पांडे-वायलिन,डॉ.अशोक बाड़ोलिया-तबला,गौतम भारती-हारमोनियम और राम सुमन चौरसिया-सितार सहित संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रखे प्रभावी निगरानी



हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने दुर्गा पूजा, दशहरा पर्वों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना कुठला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल की सतर्कता परखी और रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी श्री विश्वकर्मा ने थाने में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, ड्यूटी रजिस्टर, कार्यप्रणाली और रात्रिकालीन गश्त (नाइट पेट्रोलिंग) की विस्तृत समीक्षा की। प्रमुख त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय क्षेत्र में लगातार पुलिस भ्रमण और गश्त सुनिश्चित की जाए ताकि आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें। एसपी ने स्पष्ट किया कि रात्रि के समय पुलिस की सक्रियता ही अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की मुख्य रीढ़ होती है। उन्होंने ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। मुख्य चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाई जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति या सूचना मिलने पर बिना देरी किए त्वरित कार्रवाई की जाए।

पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों का हुआ अभिनंदन

मैहर। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप मैहर में एक भव्य सैनिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी,जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल और नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोनी उपस्थित रहे। इस दौरान देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों के परिजनों तथा विभिन्न पदों पर सेवाएं दे चुके पूर्व सैनिकों को श्रीफल,शॉल,स्मृति चिह्न और पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुश्री ज्योति चौधरी एवं बैंड दल ने 'नल तरंग' वाद्य वादन की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए सैनिकों के त्याग,समर्पण एवं सर्वोच्च बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था,जिससे समाज में देशभक्ति की भावना को और अधिक बल मिला।

स्कूल के पास टपरों में गुटखा, तंबाखू का हो रहा था विक्रय, पुलिस ने की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरही

मुखबिर की सूचना पर बरही पुलिस ने दो टपरों पर की कार्यवाही

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए बरही पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बरही के मुख्य गेट के सामने संचालित दो पान टपरों से पुलिस ने गुटखा, तंबाकू पुड़िया, सिगरेट के पैकेट सहित अन्य नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी बरही निरीक्षक अरविन्द कुमार चौबे को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बरही के मुख्य गेट के सामने संचालित दो पान टपरों पर स्कूली बच्चों को गुटखा, पान, तंबाकू, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थ बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों टपरों की तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पवन तिवारी पिता रामनरेश तिवारी 34 वर्ष निवासी देवरा खुर्द तथा कोमल चौधरी पिता गिरधारी चौधरी 21 वर्ष निवासी मनघटा थाना बरही के पान टपरों से नशीली सामग्री जब्त की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। यह प्रावधान शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक से संबंधित है। इसके साथ ही भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत भी कार्रवाई करते हुए परिवाद तैयार किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार चौबे, उप निरीक्षक विनोद कांत सिंह, उप निरीक्षक रामसखा वर्मा एवं आरक्षक भानु पांडेय की सराहनीय भूमिका रही। बरही पुलिस ने आमजन से अपील की है कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

अमरपाटन में सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव,सनसनी

सतना। अमरपाटन थाना क्षेत्र के अंतर्गत किरहाई बंधा के पास बीती रात एक सड़क किनारे अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों द्वारा सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना तुरंत डायल 112 और अमरपाटन थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुँचा और शव को अपने कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल अमरपाटन पहुँचाया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किरहाई बंधा के पास किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से इस दर्दनाक हादसे के होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि,अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। अमरपाटन पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने के साथ-साथ दुर्घटना के असली कारणों की गहराई से जाँच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह मामला महज सड़क दुर्घटना का है या इसके पीछे कोई अन्य संदिग्ध कारण छिपा हुआ है।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, बुजुर्ग समेत नाती-नातिन घायल; मामला दर्ज

अमानगंज। अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जिजगांव पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग और उनके नाती-नातिन गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम कमताना निवासी ततिया कोरी (60 वर्ष) ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 6 अक्टूबर की दोपहर करीब 12 बजे वह अपनी नातिन खुशबू (12 वर्ष) और नाती रोहित (18 वर्ष) के साथ बाजार करने अमानगंज आ रहे थे। इसी दौरान जिजगांव पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही काले रंग की हीरो स्प्लेंडर बाइक (क्रमांक डच3र्4ळ07813) के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए अमानगंज अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों द्वारा पन्ना रेफर किए जाने के बाद परिजन घायलों को बेहतर उपचार के लिए कटनी के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। फरियादी की शिकायत पर अमानगंज पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए) और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना हेड कांस्टेबल बाल मुकुंद पटेल को सौंपी गई है।

तेंदुए का शव लेंटाना झाड़ियों में मिलने पर जांच शुरू

पन्ना। उत्तर सामान्य वनमंडल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र पन्ना के बीट जनवार स्थित कक्ष क्रमांक पी-412 में गुरुवार शाम करीब 05:30 बजे एक मादा तेंदुए की मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला हरकत में आया और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्य प्रदेश द्वारा जारी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के तहत तत्काल मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। अधिकारियों द्वारा पूरे घटनास्थल को तत्काल प्रभाव से सुरक्षित (कॉर्डन ऑफ) किया गया। इसके बाद खोजी श्वान दल (डॉग स्क्वाड) को मौके पर बुलाकर घटनास्थल और उसके आसपास के पूरे वन क्षेत्र में बारीकी से सघन तलाशी अभियान चलाया गया, ताकि मौत के कारणों से जुड़े हर साक्ष्य जुटाए जा सकें। प्रोटोकॉल के अनुसार मादा तेंदुए का पोस्टमार्टम विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा किया गया। पैनल में पन्ना टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार गुप्ता एवं पशु चिकित्सालय पन्ना के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह बुंदेला शामिल रहे। डॉक्टरों की जांच में मृत मादा तेंदुए के शरीर के सभी महत्वपूर्ण अंग (नाखून, दांत, खाल आदि) पूरी तरह सुरक्षित पाए गए हैं।

सकारिया तक इसी माह शुरू होगी रेल सेवा, अमानगंज लाइन का सर्वे भी जल्द होगा पूरा

सतना-पन्ना रेल लाइन अप्रैल तक होगी पूरी, नागोद में जीएम और डीआरएम का भव्य स्वागत, जेके सीमेंट के यूनिट हेड कपिल अग्रवाल संग गुड्स शेड पर चर्चा





उद्योगों को कच्चे माल के परिवहन में मिलेगी आसानी, रेलवे के राजस्व में होगी बढ़ोतरी

जिले के विकास में जहां उद्योग के रूप में जे.के. सीमेन्ट स्थापित वहीं अब रेलवे लाईन की सौगात देवेन्द्रनगर-अमानगंज रेलवे लाईन विस्तार से जहां पन्ना को रेलवे लाईन की सौगात के साथ-साथ उद्योग के विकास में भी यह एक बड़ी उपलब्धी तो होगी ही वहीं आवागमन को लेकर आम जनता के लिए भी यह एक सौगात जानी जायेगी। जो प्रयास आज की वार्ता के साथ आगे रेलवे लाईन के विस्तार की परिकल्पना तय की जा रही है। वह निष्चितौर पर उद्योग की भूमिका के साथ-साथ जिले के विकास को लेकर भावी भविष्य जाना जायेगा।

पन्ना। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) दिलीप कुमार सिंह एवं मंडल रेल प्रबंधक (क्त्ड) कमल कुमार तलरेजा ने वरिष्ठ अधिकारियों के उच्चस्तरीय दल के साथ सतना से देवेंद्रनगर रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे टीम ने रेल लाइन निर्माण, सुरक्षा मानकों और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दल में पीसीसीएम अरविंद कुमार रजक, पीसीओएम राजेश कुमार मंडल, पीसीईई (इलेक्ट्रिकल) मुकेश, सीनियर डीसीएम शशांक गुप्ता, सीनियर डीओएम प्रिंस विक्रम, सीनियर डीईई (टीआरडी), सीनियर डीएमएम एवं एरिया मैनेजर सतना मुख्य रूप से शामिल रहे।

नागोद स्टेशन पर आत्मीय स्वागत-

निरीक्षण के दौरान नागोद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जेके सीमेंट के यूनिट हेड कपिल अग्रवाल, एस एन गौड़ लॉजिस्टिक हेड, एवं पराग त्रिपाठी, कॉर्पोरेट अफेयर्स हेड ने जीएम, डीआरएम तथा अन्य रेलवे अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया।

गुड्स शेड और माल परिवहन पर हुई विस्तृत चर्चा-

नागोद में निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों ने जेके सीमेंट के यूनिट हेड कपिल अग्रवाल और जेके सीमेंट टीम के साथ गुड्स शेड के निर्माण तथा सतना-पन्ना रेल लाइन को जल्द से जल्द शुरू करने को लेकर अहम विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही देवेंद्रनगर-अमानगंज रेल लाइन के भावी विस्तार पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

उद्योगों और आमजन दोनों को मिलेगा सीधा लाभ-

अधिकारियों ने बताया कि नई रेल लाइन के शुरू होने से जेके सीमेंट सहित क्षेत्र के अन्य उद्योगों को कच्चे माल के परिवहन में काफी सहूलियत मिलेगी। क्लिंकर और सीमेंट का परिवहन रेल मार्ग से होने से सड़क यातायात पर भार कम होगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इसके साथ ही रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी। स्थानीय नागरिकों को भी सुगम और सस्ता यात्रा साधन मिलेगा, जिससे उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए दूरदराज के स्टेशनों पर नहीं जाना पड़ेगा।

सड़कों पर मौत का सिलसिला, आखिर जिम्मेदार कौन? सड़क हादसों पर कब टूटेगी चुप्पी?



संकरी सड़कें, बढ़ता यातायात और बेलगाम रफ्तार के बीच जनता मांग रही जवाबदेही

अमानगंज। आखिर कब तक सड़क हादसों में लोगों की जान जाती रहेगी? कब तक किसी मां की गोद सूनी होगी, किसी पिता का बुढ़ापे का सहारा छिनेगा और किसी बच्चे के सिर से पिता का साया उठेगा? क्या हर हादसे के बाद संवेदना के दो शब्द कह देना ही जिम्मेदारों का कर्तव्य रह गया है? जब वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, तो क्या सड़कों की चौड़ाई और यातायात व्यवस्था में बदलाव की जरूरत नहीं है? और सबसे बड़ा सवालकुअगर हादसे लगातार होते रहे, तो इन मौतों की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

पन्ना जिले सहित अमानगंज क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर उठ रहे ये सवाल अब आम लोगों की चिंता बनते जा रहे हैं। सड़क पर निकलने वाला हर व्यक्ति सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद लेकर निकलता है, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों, संभावित खतरनाक मार्गों और यातायात संबंधी चुनौतियों के बीच यह उम्मीद कई बार टूट जाती है। किसी परिवार का जवान बेटा हादसे का शिकार होता है, कहीं किसी घर का कमाने वाला सदस्य दुनिया छोड़ जाता है, तो कहीं हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल जाती हैं।

वाहन बढ़े, तो सड़कें चौड़ी क्यों नहीं हुईं?

सवाल यह है कि जब वर्ष 2010 से 2015 के आसपास बनी सड़कों पर आज पहले की तुलना में अधिक यातायात का दबाव है, तो क्या उनकी क्षमता और सुरक्षा की समीक्षा की गई है? क्या सड़कों की चौड़ाई, वाहनों की बढ़ती संख्या और भारी वाहनों की आवाजाही के बीच तालमेल बैठाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं? यदि सड़कें मौजूदा यातायात के लिहाज से अपर्याप्त हैं, तो उनके चौड़ीकरण की जरूरत पर गंभीरता से विचार क्यों नहीं किया जाता? क्या दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर वहां स्थायी सुरक्षा उपाय करना जरूरी नहीं है? सड़क किनारे पर्याप्त संकेतक, सुरक्षित मोड़, उचित प्रकाश व्यवस्था और गति नियंत्रण जैसे उपाय कितने प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब केवल आश्वासनों से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले काम से मिलना चाहिए।

हादसों के बाद नहीं, पहले क्यों नहीं होती कार्रवाई?

सड़क दुर्घटना होने के बाद पुलिस और प्रशासन की सक्रियता दिखाई देती है, घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाता है और जांच शुरू होती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से पर्याप्त तैयारी की जा रही है? क्या जिले के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का नियमित सर्वेक्षण हो रहा है? क्या बार-बार हादसों वाले स्थानों पर कारणों की पहचान कर स्थायी सुधार किए जा रहे हैं? क्या तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाने, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों की अनदेखी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हो रही है? हर दुर्घटना के कारण अलग हो सकते हैं। कहीं चालक की लापरवाही जिम्मेदार हो सकती है, तो कहीं सड़क की बनावट, दृश्यता, संकेतकों की कमी या अन्य परिस्थितियां जोखिम बढ़ा सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि प्रत्येक गंभीर हादसे की निष्पक्ष जांच हो और सामने आए कारणों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाए। आखिर सड़क सुरक्षा का मतलब केवल हादसे के बाद कार्रवाई करना है या हादसा होने से पहले जिंदगी बचाना भी है?



सत्ता पक्ष और जनप्रतिनिधियों से जनता के सवाल

जनता ने अपने प्रतिनिधियों को क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी सौंपकर चुना है। ऐसे में सड़क दुर्घटनाओं और सड़क सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्या जिले की प्रमुख सड़कों की स्थिति और बढ़ते यातायात के दबाव का आकलन कर संबंधित विभागों के सामने प्रभावी ढंग से मांग रखी जा रही है? क्या सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत, दुर्घटना संभावित स्थानों के सुधार और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए ठोस पहल हो रही है? विकास का आकलन केवल सड़कों के निर्माण या खर्च के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि उन सड़कों पर सफर कितना सुरक्षित है। जनता जानना चाहती है कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए क्या योजनाएं बनाई गई हैं और उनके क्रियान्वयन की समयसीमा क्या है।

विपक्ष की भूमिका पर सवाल

सड़क सुरक्षा का मुद्दा किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है। ऐसे गंभीर जनहित के विषय पर विपक्षी दलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। क्या कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जिले में सड़क दुर्घटनाओं, खतरनाक मार्गों और सड़क चौड़ीकरण की जरूरत को लेकर तथ्यों के आधार पर आवाज उठा रहे हैं? क्या संबंधित विभागों से जवाब मांगा जा रहा है? क्या जनहित में ज्ञापन, जनसंवाद और जरूरत पड़ने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किए जा रहे हैं? जनता की अपेक्षा है कि सड़क सुरक्षा जैसे जीवन से जुड़े मुद्दे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहें, बल्कि सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर समाधान की दिशा में काम करें।

प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही भी जरूरी

जिला प्रशासन, पुलिस और सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के सामने भी महत्वपूर्ण सवाल हैं। क्या जिले में दुर्घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण कर उनके प्रमुख कारणों को समझा जा रहा है? क्या यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई होती है? क्या खतरनाक मोड़ों, संकरे मार्गों और अधिक दुर्घटनाओं वाले स्थानों पर संबंधित विभागों के बीच समन्वय है? पुलिस की कार्रवाई केवल चालान काटने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य सड़क पर अनुशासन कायम करना और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करना भी होना चाहिए। वहीं, सड़क की खामियों को दूर करना संबंधित निर्माण एवं रखरखाव एजेंसियों की जिम्मेदारी है। जरूरत इस बात की है कि प्रत्येक विभाग की भूमिका स्पष्ट हो, कार्रवाई की नियमित समीक्षा हो और लापरवाही सामने आने पर नियमानुसार जवाबदेही तय की जाए।

बालाजी सरकार मंदिर में विशाल कन्या भोज और भंडारा में हजारों कन्याओं ने पाया प्रसाद

आज अमावस्या के दिन होगी सभी देवताओं की विदाई



अमानगंज। हिंदू सनातन संस्कृति के अत्यंत पुरानी धार्मिक त्योहारों में से एक विमान श्रावण शुक्ल पक्ष की द्वादशी को नगर के हर मंदिर से एक होकर नगर में निकला जाया करते हैं जो अत्यंत पुरानी परंपरा और एक विशेष त्यौहार बताया जाता है इस वर्ष भी नगर के सभी मंदिरों के विमान निकाले गए और मिढासन नदी के पावन पर सभी देवताओं को स्नान ध्यान पूजा पाठ आरती उतारने के साथ ही वापस नगर की ओर लाया जा रहा था इस समय बालाजी सरकार मंदिर के पुजारी ने सभी पुजारी से आग्रह कर इस बार सभी विमानो. को बालाजी सरकार में रुकने का आग्रह किया आपसी सलाह के बाद सभी पुजारी एकजुट हुए और मंदिर प्रांगण में बालाजी सरकार के दरबार में सभी देवता पूरे 18 दिन रुके जहां नाना प्रकार का प्रसाद भगवान ने दोनों टाइम पाया साल भर में यह पहला ऐसा अवसर आता है जब सभी देवता नगर के एक साथ बैठते हैं और नगर की जनता को उनके भक्तों को एक साथ दर्शन सुलभ हो जाते हैं आज स्थानीय बालाजी सरकार समिति द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण करने के साथ ही सुंदरकांड पाठ आरंभ किया पाठ के समापन उपरांत आरती के साथ ही विशाल कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया जिसमें नगर की कई स्कूलों से छात्राएं कन्याए प्रसाद ग्रहण करने पहुंची इसके अतिरिक्त मंदिर समिति और स्थानीय क्षेत्र भक्तों ने भी बढ़ चढ़ भंडारे का प्रसाद ग्रहण करके पुण्य लाभ अर्जित किया है आज पितृ मोक्ष की अमावस्या की शाम सभी विमान की देवताओं की विदाई मंदिर प्रांगण से विधिवत वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच की जावेगी।

ग्राम पंचायत मोहन्द्रा में 14वीं दुकान को रातों-रात बना दिया यात्री प्रतीक्षालय



पन्ना। पांचवें वित्त के 25 लाख और राज्य वित्त के 20 लाख रुपए की लागत से पुलिस चौकी के पास बनी दुकानों का मामला फिर सुर्खियों में है। ग्राम पंचायत द्वारा 12 दुकानों का प्रस्ताव और तकनीकी-प्रशासनिक स्वीकृति ली गई थी, लेकिन सड़क के मुख्य किनारे की बेशकीमती जमीन पर एक अतिरिक्त दुकान बना दी गई, जिससे संख्या 13 हो गई। जब अधिकारियों ने सभी दुकानों के आवंटन में पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए तो 13 की गिनती बनाए रखने रातों-रात सीढ़ियों के पास एक और दुकान बना दी गई। जबकि अब मौके पर कुल 14 दुकानें मौजूद हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा में इस बात का खुलासा नहीं किया गया कि सड़क किनारे की मुख्य दुकान बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है। अब उस दुकान को कानूनी रूप देने के लिए रातों-रात उसके ऊपर यात्री प्रतीक्षालय सह ग्राम पंचायत भवन लिख दिया गया है। जब इस प्रतीक्षालय की लागत को लेकर सचिव और इंजीनियर से पूछा गया तो कोई जवाब नहीं मिला।

इनका कहना है -

ग्राम पंचायत मोहन्द्रा की अनियमितताओं को सत्ता पक्ष का संरक्षण होने के कारण प्रशासनिक अधिकारी ईमानदारी से जांच नहीं कर रहे हैं जबकि पंचायत के प्रत्येक विकास कार्य में व्यापक अनियमितताएं हुई है।

मुकेश चौरसिया अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमरिया

भक्ति, सेवा और उल्लास के साथ मना श्री प्राणनाथ जी का प्राकट्य उत्सव





पन्ना। महामति श्री प्राणनाथ जी का प्राकट्य उत्सव शुक्रवार को पन्ना में श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। धामी समाज के युवक-युवतियों ने बाइक रैली निकालकर उत्सव का आगाज किया। इसके बाद जिला अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। वहीं, दोपहर में श्री प्राणनाथ जी मंदिर के बंगला जी दरबार साहब में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सुंदरसाथ शामिल हुआ। महाराजा छत्रसाल के वंशज एवं पन्ना नरेश छत्रसाल द्वितीय ने श्रीजी की प्रथम आरती कर धर्मलाभ अर्जित किया।

बाइक रैली से हुआ उत्सव का आगाज-

प्राकट्य उत्सव के अवसर पर सुबह धामी समाज के युवक-युवतियों ने बाइक रैली निकालकर पूरे पन्ना शहर में धार्मिक उत्साह का संदेश दिया। रैली के माध्यम से श्री प्राणनाथ जी के प्राकट्य उत्सव की शुरुआत की गई। इसके बाद सुबह 10 बजे श्री प्राणनाथ ट्रस्ट की ओर से जिला अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. आलोक गुप्ता और डॉ. मीना नामदेव सहित श्री प्राणनाथ ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डीके दुबे, सचिव प्रेम किशोर शर्मा, न्यासी चिदानंद शर्मा, नरेंद्र धामी, प्रबंधक आशीष शर्मा, पुजारी बांके शर्मा, पुजारी ब्रज प्रकाश शर्मा, पूर्व ट्रस्टी राकेश कुमार शर्मा, दिनेश शर्मा, गोपाल शर्मा, तिलक राज शर्मा, भाजपा नेता अल्पेश शर्मा, अनूप शर्मा और मोहित शर्मा सहित धामी समाज के लोग उपस्थित रहे।

योगमाया के गायन के साथ हुए श्रीजी के दर्शन- दोपहर 12 से 3 बजे तक बंगला जी दरबार साहब में धार्मिक आयोजन चला। ढोल-मंजीरों की संगत में धामी समाज के युवाओं ने वाणी गायन किया। विद्वानों, पुजारियों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में जैसे ही योगमाया का गायन हुआ और पर्दा खुला, सुंदरसाथ ने श्रीजी के दर्शन किए तथा श्रीफल अर्पित किए। इसके बाद पन्ना नरेश छत्रसाल द्वितीय ने प्रथम आरती की। श्रीजी को भोग लगाया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं पंचामृत वितरित किया गया। महिलाओं ने ढोलक-मंजीरों के साथ बधाई गीत गाए और गरबा नृत्य कर उत्सव की खुशियां मनाईं। धार्मिक आस्था के साथ सेवा और समर्पण का संदेश देता यह आयोजन पूरे शहर में उत्साह का केंद्र बना रहा।

पन्ना में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का महा-कैंप विद्युत विभाग के आला अधिकारी और बैंकिंग दिग्गज रहे मौजूद

छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल कम करने का सुनहरा मौका, उपभोक्ताओं का मौके पर ही हुआ पंजीयन

देवेन्द्रनगर। ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय, पन्ना में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत एक विशाल जागरूकता एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के उपभोक्ताओं को सोलर पैनल स्थापना, सरकारी सब्सिडी और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

वरिष्ठ अधिकारियों एवं बैंकिंग प्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता पन्ना अशोक कुमार निकोसे, कार्यपालन अभियंता रवि शंकर मिश्रा एवं सहायक अभियंता अजय कुमार साहू उपस्थित रहे। अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन और अधिकाधिक उपभोक्ताओं तक इसका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उपभोक्ताओं को ऋण एवं वित्तीय सहायता की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक संजय कुमार आर्य, बेनीसागर शाखा के प्रबंधक प्रिंस आर्य फील्ड ऑफिसर श्रीकांत मंजू यूनियन बैंक प्रबंधक यूको बैंक प्रबंधक तथा एलडीएम कार्यालय के वित्तीय साक्षरता समन्वयक प्रकाश जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही योजना के जमीनी क्रियान्वयन के लिए डछत्म् के जिला समन्वयक देवेश तिवारी भी शिविर में शामिल हुए।



वेंडर्स एवं विभागीय कर्मचारियों ने निभाई सक्रिय भूमिका

शिविर में पन्ना के अधिकृत सोलर वेंडर्स ने उपभोक्ताओं को सोलर सिस्टम की तकनीकी विशेषताओं, स्थापना प्रक्रिया, क्षमता और सब्सिडी से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कनिष्ठ अभियंता अदिति तिवारी सहित विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में विभागीय स्टाफ एसबीआई बैंक यूको बैंक एवं इंडियन बैंक यूनियन बैंक के प्रतिनिधियों तथा ऊर्जा विकास निगम के राजेंद्र विश्वकर्मा, कार्यालय सहायक देव सिंह यादव ,देवेंद्र बागरी ,शिवराज सिंह यादव, हकीम खान, संजीव विश्वकर्मा, लोकेश रैदास ने उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया और मौके पर ही ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग किया।

बिजली बिल में बचत और हरित ऊर्जा अपनाने का आह्वान

शिविर को संबोधित करते हुए अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार निकोसे एवं कार्यपालन अभियंता रवि शंकर मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बचत करने और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। पात्र उपभोक्ता अपने घरों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित कर सरकार की निर्धारित सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। अधिकारियों ने आम नागरिकों से योजना के प्रति जागरूक होने, अधिकाधिक संख्या में पंजीयन कराने तथा सौर ऊर्जा को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

खबर संक्षेप

अवैध मिट्टी-रेत से लदे दो हाइवा और डंपर जब्त, चालक फरार

छतरपुर। शहर के महोबा रोड पर खनिज संपदा के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर दी गई दबिश के दौरान टीम ने अवैध रूप से मिट्टी और रेत का परिवहन कर रहे दो हाइवा और एक डंपर को पकड़ा। पकड़े गए वाहनों में क्रमांक **MP** 04 **ZY** 4186 और **MP** 36 **ZJ** 8560 शामिल हैं, जबकि एक हाइवा बिना नंबर का पाया गया। जांच के दौरान इनमें से एक वाहन में अवैध रेत लदी होने की पुष्टि हुई है। कार्रवाई के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार्रवाई से बचने के चक्कर में एक डंपर चालक ने उसमें भरी मिट्टी सड़क पर ही खाली कर दी और वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला। इस दौरान डंपर का कांच भी टूटा हुआ पाया गया। वहीं, वाहन क्रमांक **MP** 36 **ZJ** 8560 के मालिक की ओर से मिलन पटेल नामक व्यक्ति पर डंपर का कांच तोड़ने का आरोप लगाया गया है, हालांकि इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि होना अभी शेष है। खनिज विभाग ने वाहनों को अभिरक्षा में लेकर खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।

छत्रसाल चौक पर नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया संदेश

छतरपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकालने के उद्देश्य से छतरपुर यातायात पुलिस ने एक अनोखी पहल की है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में शहर के हृदय स्थल छत्रसाल चौक पर यातायात पुलिस टीम द्वारा जीवंत नुक्कड़ नाटक का मंचन कर आमजन को नशा मुक्ति और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों और पुलिस जवानों ने प्रभावशाली ढंग से संदेश दिया कि नशा छोड़ो, नशा मुक्त बनो। नाटक के जरिए आम नागरिकों को समझाया गया कि नशे की लत न सिर्फ व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को खोखला करती है, बल्कि पूरे परिवार को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर देती है।

भाजपा नेता रोहित सोनी के घर चल रहा था जुआ का फड़

पुलिस का जुआ के फड़ पर छापा
13 जुआरी गिरफ्तार, सवा लाख रूपये बरामद

छतरपुर। थाना सटई पुलिस ने एक भाजपा नेता रोहित सोनी के घर संचालित हो रहे जुआ के फड़ पर छापामार कार्यवाही करते हुए 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1 लाख 23 हजार 900 रूपये बरामद किये और जुआ एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया। जानकारी के अनुसार थाना सटई पुलिस को विगत दिवस क्षेत्र भ्रमण के दौरान कस्बा में जुआ खेलने की सूचना प्राप्त हुई, पुलिस टीम संबंधित स्थान एक घर के पीछे मैदान में पहुंची। जुंआ के फड़ में जुंआ खेल रहे 13 आरोपी रोहित दीक्षित पिता कन्हैयालाल दीक्षित निवासी पुछी थाना सिविल लाइन छतरपुर, अमित पटेल पिता गुलजारी पटेल निवासी नंदगाय खुर्द थाना सटई, शिवम दुबे पिता रामरतन दुबे निवासी नंदगाय बट्टयन थाना सटई, अरविन्द सोनी पिता रामबगस सोनी निवासी



वार्ड न. 5 सटई, प्रिंस रावत पिता आनंद रावत निवासी महल रोड छतरपुर थाना कोतवाली , कौशलेन्द सिंह घोष पिता नारायण सिंह घोष निवासी बस स्टेण्ड के पास छतरपुर थाना कोतवाली, संतोष शिवहरे पिता अर्जुन शिवहरे निवासी पीताम्बरा मंदिर के पास सटई रोड छतरपुर, रज्जू साहू पिता दीनदयाल साहू निवासी नंदगाय बट्टयन थाना सटई, अभिजीत सिंह पिता राजेश सिंह परमार निवासी महल रोड छतरपुर थाना कोतवाली, सतेन्द सिंह पिता रघुनाथ सिंह धधेरे निवासी धाम निवारी थाना गढ़ीमलहरा, नितिन तिवारी पिता रामकिशोर तिवारी निवासी लखनुआ थाना पिपट, प्रमोद शुक्ला पिता रामस्वरूप शुक्ला निवासी ग्राम कुपी थाना किशनगढ़, रोहित सोनी पिता कमलेश सोनी निवासी वार्ड नं. 05 सटई से एवं जुआ के फड़ से 1 लाख 23 हजार 9 सौ रुपये नगद राशि बरामद की गई। अभियुक्तों के विरुद्ध पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा में अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में एसडीओपी बिजावर अजय रिठौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सटई निरीक्षक दिलीप करण नायक, सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र प्रसाद पांडेय, प्रधान आरक्षक बृजेंद्र गुप्ता, आरक्षक अरविंद कुमार, रामकुमार जाट एवं टीम की भूमिका रही।

इलाज के बाद महिला की हालत बिगड़ी डॉक्टर पर लापरवाही व अभद्रता के आरोप



बकस्वाहा। अपने कथित अड़ियल रवैये और विवादों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बक्सवाहा के डॉक्टर आर्यन रावत एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गए हैं। इस बार उन पर मरीज के प्रति दुर्व्यवहार और उपचार में घोर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। सीएचसी में बुखार का इलाज कराने पहुंची एक 40 वर्षीय महिला की इंजेक्शन व दवा देने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल दमोह रेफर करना पड़ा। जानकारी के अनुसार ग्राम सुनवाहा निवासी सोमवती लोधी पति पूरन लोधी तेज बुखार की शिकायत लेकर बक्सवाहा स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थीं। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉ. आर्यन रावत द्वारा उपचार किए जाने के कुछ ही देर बाद महिला की स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी और वह असामान्य व्यवहार करने लगीं। मरीज की बिगड़ती हालत को देखकर घबराए परिजनों ने जब आपत्ति जताई, तो उनके साथ भी असंतोषजनक व्यवहार किया गया। स्थिति अनियंत्रित होते देख डॉक्टरों ने महिला को तत्काल जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही जिला पंचायत सदस्य करन सिंह लोधी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और संबंधित चिकित्सक की कार्यप्रणाली पर कड़ा रोश जताते हुए लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए और वरिष्ठ अधिकारियों से जांच व कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मामले में चिकित्सक का पक्ष और प्रशासनिक स्तर पर जांच की स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

चेक बाउंस के 6 मामलों में 10 साल से फरार इनामी आरोपी भोपाल से गिरफ्तार



छतरपुर। कोतवाली पुलिस ने वर्षों पुराने लंबित मामलों के निराकरण हेतु चलाए जा रहे न्याय पथ अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चेक बाउंस से संबंधित 6 अलग-अलग प्रकरणों में पिछले 10, 9 और 7 वर्षों से फरार चल रहे 31,000 के इनामी वारंटी को भोपाल से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, चैतगिरी कॉलोनी निवासी आरोपी हरिचरण कुशवाहा (पटेल) पिता ललिता प्रसाद कुशवाहा के विरुद्ध वर्ष 2016, 2017 एवं 2019 के चेक अनादरण (चेक बाउंस) से जुड़े 6 अलग-अलग प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन थे। आरोपी लगातार न्यायालयीन पेशी से बचते हुए लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस द्वारा 31,000 का इनाम भी घोषित किया गया था।

दंपति ने पुलिस पर लगाए मारपीट, अभद्रता और फर्जी मुकदमे के गंभीर आरोप

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, 15 दिन में कार्रवाई न होने पर आमरण अनशन की चेतावनी



छतरपुर। जिले में पुलिस कर्मियों द्वारा एक महिला एवं उनके पति के साथ कथित मारपीट, अभद्रता और झूठे प्रकरण में फंसाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस गंभीर घटना के विरोध में सवर्ण अधिकारी कर्मचारी एवं सामान्य वर्ग उत्थान संगठन ने मोर्चा खोलते हुए मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई कर पीड़ित दंपति को न्याय नहीं दिलाया गया, तो प्रदेश भर में उग्र आंदोलन और आमरण अनशन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के पश्चात संगठन के पदाधिकारियों ने डाकखाना चौराहा पहुंचकर महाराजा छत्रसाल एवं छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

जानकारी के अनुसार, नौगांव जेल चौराहा निवासी फरियादिया श्रीमती सुषमा तिवारी पति प्रमोद तिवारी ने संगठन को बताया कि 28 सितंबर को वे अपने पति के साथ छतरपुर आई थीं। आईजी सागर रेंज से फरियाद लगाने के उद्देश्य से वे सिटी कोतवाली पहुंचे, जहां से आईजी के सिविल लाइन रवाना होने की जानकारी मिली। पीड़िता का आरोप है कि सिविल लाइन जाने के दौरान रास्ते में पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोका और उनके साथ कथित मारपीट, अश्लील गालियां व छेड़खानी की। इसके साथ ही उनके पति पर धारा 151 के तहत फर्जी मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान चोरी गए सोने की बरामदगी व जब्ती में भी भारी हेरफेर की गई है। पीड़ित परिवार मानसिक दबाव व असुरक्षा के साये में जीने को मजबूर है। इस पूरे प्रकरण की जांच विभागीय अधिकारियों के बजाय किसी निष्पक्ष एजेंसी, मजिस्ट्रेट अथवा सीबीआई/सीआईडी से कराने की मांग की गई है। संगठन ने दो टूक कहा है कि समय-सीमा में न्याय न मिलने पर पूरे बुंदेलखंड में धरना-प्रदर्शन शुरू होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ढौंढ़न बांध के मजदूरों से भरी बस का ब्रेक फेल चलती बस से कूदे श्रमिक, 1 की मौत, 14 घायल

बमीठा। केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत छतरपुर जिले के निर्माणाधीन ढौंढ़न बांध स्थल पर गुरुवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल परियोजना में कार्यरत श्रमिकों को लेकर जा रही बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए, जिससे बस अनियंत्रित हो गई। ब्रेक फेल होने की खबर लगते ही बस में सवार मजदूरों में चीख-पुकार मच गई और घबराहट में कई मजदूर चलती बस से नीचे कूद पड़े। इस दर्दनाक हादसे में संजय शर्मा (45 वर्ष) की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि 14 अन्य मजदूर घायल हो गए। घटना बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढोढन की है। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 7 बजे कार्य समाप्त होने के बाद लगभग 48 मजदूर बस में सवार होकर लौट रहे थे। इसी दौरान ढलान या मोड़ पर बस के ब्रेक अचानक फेल हो गए। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गियर के सहारे गति नियंत्रित कर आगे चलकर बस को



सुरक्षित रोकने में सफलता पाई, लेकिन तब तक जान बचाने की हड़बड़ाहट में कई मजदूर चलती बस से छलांग लगा चुके थे। हादसे की सूचना मिलते ही परियोजना निर्माण स्थल के अधिकारी और राहत दल मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल अन्य वाहनों की मदद से जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल संजय शर्मा ने दम तोड़ दिया। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद 5 मजदूरों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि 10 घायलों का इलाज जिला अस्पताल में निरंतर जारी है। हादसे में घायल हुए श्रमिकों में मुख्य रूप से रमाकांत (42 वर्ष, निवासी मऊरानीपुर, उप्र), वकील (35 वर्ष, निवासी बलिया, उप्र), सुरेंद्र प्रसाद (54 वर्ष, निवासी बिहार), कृष्णा सिंह (25 वर्ष, निवासी गोरखपुर, उप्र), ओमप्रकाश (26 वर्ष, निवासी भूसौर, थाना बमीठा), प्रमोद (36 वर्ष, निवासी चंदौली, उप्र), श्याम सुंदर (35 वर्ष), मुन्नी लाल (42 वर्ष, निवासी बिहार), समी (19 वर्ष), अरविंद (23 वर्ष, निवासी चंदौली, उप्र), रमेश (30 वर्ष, निवासी चंदौली, उप्र), विलास्टर (30 वर्ष, निवासी चंदौली, उप्र) सहित राहुल सिंह और दीपू शामिल हैं, जिनका उपचार स्वास्थ्य केंद्र व जिला अस्पताल में कराया जा रहा है। बमीठा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और मृतक के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

आंखों पर काली पट्टी और जमीन पर दंडवत...



बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में छात्रों ने कुलगुरु को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का गुस्सा अब चरम पर है और छात्र संगठनों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बुंदेलखंड छात्र संगठन के नेतृत्व में सत्येंद्र शर्मा की अगुवाई में छात्र-छात्राओं ने प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ गांधीवादी और अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांधकर और जमीन पर लेटकर दंडवत प्रणाम करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु को 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

छात्रों का कहना था कि प्रशासन छात्र हितों की अनदेखी कर आंखें मूंदे बैठा है, जिसके प्रतीक स्वरूप उन्होंने यह कदम उठाया है। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने परिसर में अध्ययनरत 10,000 से अधिक छात्र-छात्राओं से जुड़ी गंभीर समस्याओं को उठाया। छात्रों ने आरोप लगाया कि महज 2 वर्ष पूर्व निर्मित कर्मशिला भवन वर्तमान में जर्जर हालत में पहुंच चुका है, जो निर्माण कार्य में हुए भारी भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग के साथ-साथ छात्रों ने विगत 5-6 वर्षों से सेवारत अनुभवी अतिथि विद्वानों को पुनः बहाल करने और शैक्षणिक स्टाफ की कमी को तत्काल दूर करने की पुरजोर मांग रखी। इसके अलावा छात्रों ने शैक्षणिक व प्रशासनिक लचर व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए बताया कि बीए, बीएससी और बीकॉम तृतीय सेमेस्टर का सिलेबस देरी से अपलोड होने के कारण पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो सका है, इसलिए परीक्षा तिथियों का पुनर्निर्धारण किया जाए। साथ ही पिछले दो माह से छात्रवृत्ति शाखा में कर्मचारी न होने, सेमेस्टर सिस्टम के नाम पर हर 6 महीने में फीस का अतिरिक्त आर्थिक बोझ लादने और पूरे परिसर में सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था लागू न होने पर गहरा रोष जताया। छात्र नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इन 7 सूत्रीय मांगों का त्वरित निराकरण नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

छतरपुर को लौटाया जाए ऐतिहासिक महाराजा कॉलेज...!

विश्वविद्यालय से अलग करने की मांग तेज, सीएम के नाम ज्ञापन सौंप नागरिकों ने भरी हुंकार

छतरपुर। शहर की ऐतिहासिक शैक्षणिक धरोहर शासकीय स्वशासी महाराजा महाविद्यालय के अस्तित्व और उसकी स्वतंत्र पहचान को बचाने के लिए चल रहे जनांदोलन का पहला चरण पूरा हो गया है। महाराजा कॉलेज को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के विलय से मुक्त कर पूर्व की भांति स्वतंत्र शासकीय स्वशासी महाविद्यालय के रूप में पुनर्स्थापित करने की मांग को लेकर आज कांग्रेस नेत्री दीप्ती पांडे की अगुवाई में नागरिकों, छात्रों, पूर्व छात्रों और विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक संगठनों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। उल्लेखनीय है कि पिछले करीब 15 दिनों से शहर के करगिल चौक पर धरना-प्रदर्शन और व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहीं दीप्ती पांडे ने ज्ञापन सौंपने के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि लगातार 15 दिनों से शहर के लोग सिर्फ एक ही मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं कि छतरपुर को उसका ऐतिहासिक महाराजा कॉलेज वापस लौटाया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नवीन विशाल भवन और



परिसर बनकर तैयार हो चुका है, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन को वहां स्थानांतरित किया जाना चाहिए और छतरपुर की यह ऐतिहासिक धरोहर शहर के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित रहनी चाहिए। दीप्ती पांडे ने बताया कि आंदोलन के प्रथम चरण में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसे शहर के बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, युवाओं, मातृशक्ति और सभी सामाजिक संगठनों का व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रथम चरण समाप्त होने के बाद जल्द ही आंदोलन के दूसरे चरण की रूपरेखा तय कर इसे और अधिक धार दी जाएगी, लेकिन महाराजा कॉलेज के अस्तित्व की लड़ाई हर हाल में जारी रहेगी।

महाराजा कॉलेज का 160 वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास

कैलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में महाराजा कॉलेज के करीब 160 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास और संवैधानिक व प्रशासनिक तथ्यों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। ज्ञापन के अनुसार, वर्ष 1865 में उर्दू मदरसा के रूप में शुरू हुआ यह संस्थान 1884 में हाई स्कूल, 1935 में इंटरमीडिएट और 1949 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कामताप्रसाद सक्सेना की घोषणा के बाद स्नातक महाविद्यालय बना था। इसके उपरांत यह एक प्रतिष्ठित स्वशासी संस्थान के रूप में स्थापित हुआ, जिसे यूजीसी के 2(f) व 12(B) एक्ट और नैक (NAAC) की मान्यता प्राप्त थी तथा इसमें लगभग 13,000 नियमित छात्र अध्ययनरत थे। वर्ष 2021 में विश्वविद्यालय परिसर के पूरी तरह विकसित न होने के कारण एक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इसका विश्वविद्यालय में विलय किया गया था।

महाराजा कॉलेज को स्वतंत्र शासकीय स्वशासी कॉलेज के रूप में बहाल करने की मांग

ज्ञापन में राज्य शासन के अन्य जिलों के पूर्व उदाहरणों का हवाला देते हुए बताया गया है कि उज्जैन के माधव कॉलेज और वर्ष 2024 में सागर, खरगोन तथा गुना में भी महाविद्यालयों के विश्वविद्यालय में संविलियन के बाद परिस्थितियों के आधार पर संशोधन कर महाविद्यालयों के स्वतंत्र अस्तित्व और अग्रणी कॉलेज की व्यवस्था को बहाल रखा गया है। वर्तमान में ग्राम गुरैया, अतरार और बगौता मौजा में 418 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय का स्वतंत्र परिसर बनकर तैयार हो चुका है। लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से अन्य निर्माण कार्य भी पूर्णता की ओर हैं। नया परिसर शहर से 8-10 किलोमीटर दूर होने के कारण कॉलेज और विश्वविद्यालय दोनों का एक ही जगह से दीर्घकालिक संचालन व्यावहारिक नहीं है। नागरिकों और छात्र संगठनों ने शासन से मांग की है कि छात्रहित में विश्वविद्यालय को नवीन परिसर में शिफ्ट किया जाए और महाराजा कॉलेज को स्वतंत्र शासकीय स्वशासी कॉलेज के रूप में तुरंत बहाल किया जाए।

लक्ष्य से 4 लाख टन ज्यादा धान खरीदी

9 महीने बाद खुले बाजार में बेचने का हुआ फैसला

जनवरी में सामने आ गया था अतिरिक्त खरीदी का आंकड़ा, अब मिलिंग की सुस्त रफ्तार भी बनी मुसीबत

रीवा।

समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी के बाद उसके भंडारण और मिलिंग का प्रबंधन सरकारी तंत्र के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। मध्यप्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से करीब 4 लाख मीट्रिक टन अधिक धान की खरीदी होने के बावजूद इसके निपटारे का फैसला लेने में करीब नौ महीने लग गए। अब सरकार ने इस अतिरिक्त धान को खुले बाजार में बेचने का निर्णय लिया है। खरीदी के समय निर्धारित समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से देखें तो 4 लाख मीट्रिक टन धान की कीमत करीब 947 करोड़ रुपए बैठती है। हालांकि, खुले बाजार में बिक्री से वास्तविक रूप से कितनी राशि मिलेगी, यह बिक्री की दर पर निर्भर करेगा।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जनवरी 2026 में ही प्रदेश में लक्ष्य से अधिक धान खरीदी का आंकड़ा सामने आ गया था, तब उसके निपटारे की प्रक्रिया समय रहते क्यों नहीं शुरू की गई? यदि उसी समय अतिरिक्त धान की बिक्री या अन्य विकल्पों पर निर्णय ले लिया जाता तो भंडारण पर होने वाले खर्च को कम किया जा सकता था। अब नौ महीने तक धान के भंडारण पर करीब 24 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का दावा किया जा रहा है। इस बीच खरीदी गई धान की मिलिंग की रफ्तार भी धीमी बनी हुई है। प्रदेश में कुल 51.74 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई, लेकिन अब



तक केवल 18.11 लाख मीट्रिक टन की मिलिंग हो सकी है। यानी करीब 65 प्रतिशत धान अब भी मिलिंग की प्रक्रिया से नहीं गुजर पाई है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, भारत सरकार ने मध्यप्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 47.76 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके मुकाबले प्रदेश में 51.74 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। इस तरह निर्धारित लक्ष्य से करीब 4 लाख मीट्रिक टन अधिक धान सरकारी खरीद में शामिल हो गई।

जबलपुर, रीवा और नर्मदापुरम संभाग के नौ जिलों से होगी बिक्री

नागरिक आपूर्ति निगम के जबलपुर, रीवा और नर्मदापुरम क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले नौ जिलों से कुल 4 लाख मीट्रिक टन धान खुले बाजार में बेची जाएगी। निर्धारित विवरण के अनुसार, अलग-अलग जिलों से धान की बिक्री की मात्रा जबलपुरः 75 हजार मीट्रिक टन,शहडोलः 30 हजार मीट्रिक टन,अनूपपुरः 25 हजार मीट्रिक टन उमरियाः 25 हजार मीट्रिक टन,कटनीः 50 हजार मीट्रिक टन,सिवनीः 75 हजार मीट्रिक टन,डिंडोरीः 20 हजार मीट्रिक टन, नर्मदापुरमः 50 हजार मीट्रिक टन, बालाघाटः 50 हजार मीट्रिक टन। इन जिलों से धान की बिक्री होने के बाद सरकारी भंडार में जमा अतिरिक्त स्टॉक कम होने की उम्मीद है।

मिलिंग की धीमी रफ्तार ने बढ़ाई परेशानी

धान खरीदी के बाद उसका समय पर चावल में परिवर्तित होना जरूरी है, लेकिन प्रदेश में मिलिंग की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, किसानों से खरीदी गई 51.74 लाख मीट्रिक टन धान में से अब तक केवल 18.11 लाख मीट्रिक टन की मिलिंग हुई है। यह कुल खरीदी का करीब 35 प्रतिशत है। इसके विपरीत 33.46 लाख मीट्रिक टन धान अब भी गोदामों और कैप में भंडारित बताई गई है। यानी खरीदी गई धान का बड़ा हिस्सा अभी मिलिंग की प्रक्रिया से नहीं गुजर पाया है। इतनी बड़ी मात्रा में स्टॉक जमा होने से भंडारण व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। दूसरी ओर, निर्धारित लक्ष्य से अधिक खरीदी गई 4 लाख मीट्रिक टन धान को अलग से खुले बाजार में बेचने का निर्णय लिया गया है।

नौ महीने में भंडारण पर 24 करोड़ से ज्यादा खर्च

अतिरिक्त धान के निपटारे में हुई देरी का असर सरकारी खर्च पर भी पड़ा है। धान के भंडारण पर प्रति मीट्रिक टन प्रतिमाह 67 रुपए की दर से खर्च बताया गया है। इस हिसाब से 4 लाख मीट्रिक टन धान के भंडारण पर हर महीने करीब 2.68 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यदि यह अतिरिक्त स्टॉक जनवरी से ही निपटाने की प्रक्रिया में शामिल कर लिया जाता तो भंडारण पर होने वाले खर्च को कम करने की संभावना थी। लेकिन जनवरी से सितंबर तक नौ महीने की अवधि में भंडारण पर करीब 24.12 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान सामने आता है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रीवा में आयोजित हुआ एनसीईआरटी के कक्षा 7 की नवीन पाठ्य पुस्तकों पर आधारित संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

रीवा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) रीवा में शासकीय विद्यालयों में संचालित NCERT की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 पर आधारित कक्षा 7 की गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों की नवीन पाठ्यपुस्तकों के उपयोग हेतु संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

संभाग स्तरीय इस प्रशिक्षण में रीवा, सीधी, सतना, सिंगरौली, मैहर एवं मऊगंज जिलों के सभी 25 विकासखंडों से मास्टर ट्रेनर्स ने सहभागिता की। प्रत्येक विषय में प्रत्येक विकासखंड से 2-2 मास्टर ट्रेनर्स को बुलाया गया था। इस प्रकार कुल 150 प्रशिक्षणार्थी का लक्ष्य था, जिसमें 148 प्रशिक्षणार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के दिशा निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण में गतवर्ष की कक्षा 6 की नवीन पाठ्यपुस्तकों, शिक्षण विधियों, प्रविधियों, लक्ष्यों एवं उद्देश्यों का पुनरावलोकन, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 की अनुशंसायें एवं नवीन पाठ्यपुस्तकों की विशेषताओं, अनुभवात्मक शिक्षण, वास्तविक कक्षा का अवलोकन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षण सहायक के रूप में, कक्षा की प्रक्रिया में ई-कंटेंट बिंदुओं को जोड़ना, पाठ योजना निर्माण, प्रस्तुतीकरण, फॉलोअप गतिविधियां, आनंदमय अधिगम, दीक्षा एप एवं दीक्षा कोर्स, मेंटल हेल्थ, एथिक्स एंड वैल्यूज, कौशल बोध, iGOT कर्मयोगी पोर्टल आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण राज्य स्तर से प्रशिक्षित राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री दीपक मिश्रा (गणित, रीवा), श्री रविउल्ला खान (सामाजिक विज्ञान, रीवा), श्रीमती मनोरमा मिश्रा (विज्ञान, रीवा),



आनंद कुमार गुप्ता (गणित, सतना), श्री सुभाष निगम (सामाजिक विज्ञान, सतना) एवं श्रीमती संध्या गौतम (विज्ञान, सतना) द्वारा दिया गया। पीपल संस्था भोपाल से गणित में श्री पुष्पेन्द्र सिंह, सामाजिक विज्ञान में श्री आलेख तिवारी एवं विज्ञान में दीक्षा सिंह चौहान सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य तरुणेन्द्र प्रताप सिंह, प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. अशोक पटेल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संस्था की ओर से श्रीमती अपर्णा मिश्रा, श्रीमती दीप्ति शुक्ला, श्रीमती अल्का मिश्रा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण को सफल बनाने में वरिष्ठ व्याख्याता अनीता अवधूत, डॉ. अनीता सोहगौरा, डॉ. विपिन शर्मा, सुबोध पाण्डेय, शाहिद मंसूरी, रोहिणी प्रसाद पाठक, प्रीत मिलन मांझी, अमरनाथ यादव, नागेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, कामेश्वर दुबे आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चिरहुला नाथ मंदिर मार्ग पर सरकारी जमीन में बिना अनुमति तैयार हो गई पक्की बाउंड्रीवाल

सामाजिक कार्यकर्ता ने संभागीय आयुक्त सहित नगर निगम कमिश्नर महापौर से की शिकायत

रीवा। शहर के चिरहुला नाथ मंदिर मार्ग पर शासकीय भूमि में कथित कब्जे और बिना अनुमति पक्की बाउंड्रीवाल बनाने का मामला गरमा गया है। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 43 में पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत निर्माण के लिए निर्धारित सरकारी जमीन पर निर्माण एजेंसी की भूमिका को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पूरे मामले में सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट बी.के माला ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्यवाही की बात रखते हुए निर्माण कार्य की वैधता की जांच कराने और कथित अतिक्रमण हटाने की मांग की है।चिरहुला नाथ मंदिर तपोभूमि सिद्ध आश्रम से लगी भूमि के उत्तर और पूर्व दिशा में बिना सीमांकन कराए तथा नगर निगम की अनुमति के बिना पक्की बाउंड्री का निर्माण किया गया है। इसके अलावा मंदिर के आम रास्ते की भूमि पर भी कथित कब्जे की शिकायत की गई है। पूरे मामले में महापौर ने 6 अक्टूबर को नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर शिकायत के बिंदुओं का परीक्षण करने और शासकीय भूमि से संबंधित अनुबंध के तहत कराए जा रहे कार्यों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शिकायत के अनुसार, वार्ड क्रमांक 43 में चिरहुला नाथ मंदिर



तपोभूमि सिद्ध आश्रम से लगी बेशकीमती शासकीय भूमि पर पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए शासकीय भूमि अनुबंध क्रमांक 05/पीआईयू/2024-25 के तहत कार्य कराया जा रहा है। इसी जमीन पर निर्माण और संबंधित एजेंसी के अधिकारों को लेकर शिकायतकर्ता ने आपत्ति उठाई है। अधिवक्ता बीके माला का आरोप है कि संबंधित निर्माण एजेंसी डीजीएनकेए प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर और कुछ अन्य लोगों ने भूमि की विधिवत नापजोख और सीमांकन कराए बिना उत्तर एवं पूर्व दिशा में पक्की बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि निर्माण से पहले नगर निगम से आवश्यक अनुमति नहीं ली गई। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब जमीन शासकीय है और उस पर निर्माण कार्य अनुबंध की शर्तों के अनुसार किया जाना है, तो संबंधित एजेंसी को भूमि पर कब्जा लेने और निर्माण कराने का अधिकार किस सीमा तक है, इसकी जांच होनी चाहिए।

मंदिर के आम रास्ते की जमीन पर भी कर लिया कब्जा

शिकायत में चिरहुला नाथ मंदिर मार्ग की भूमि को लेकर भी आपत्ति दर्ज कराई गई है। मंदिर के आम रास्ते से लगी जमीन पर अनधिकृत कब्जा किए जाने के कारण लोगों के आवागमन पर असर पड़ रहा है। शिकायतकर्ता ने मंदिर मार्ग और रीवा-बाया-गुढ़ मार्ग से संबंधित भूमि की स्थिति स्पष्ट करने के लिए सीमांकन कराने की मांग की है। मामला धार्मिक स्थल तक पहुंचने वाले रास्ते और शासकीय भूमि से जुड़ा होने के कारण इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अनुबंध की शर्तों और भूमि के सीमांकन की होनी चाहिए जांच

अधिवक्ता बीके माला ने अपने आवेदन में मांग की है कि पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत दी गई शासकीय भूमि पर निर्माण और आधिपत्य की प्रक्रिया अनुबंध की शर्तों के अनुसार ही होनी चाहिए। इसके साथ ही नगर निगम की अनुमति और विधिवत सीमांकन के आधार पर भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। शिकायतकर्ता ने मंदिर मार्ग की भूमि पर कथित कब्जे की जांच कर अतिक्रमण पाए जाने पर उसे हटाने की मांग भी की है।

गरबा आयोजनों में धार्मिक मर्यादा बनाए रखे पुलिस, महिलाओं की सुरक्षा पर रहे विशेष नजर

रीवा। नवरात्रि के दौरान आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रमों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मर्यादा बनाए रखने और महिलाओं व युवतियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठी है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने इस संबंध में रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को ज्ञापन सौंपकर गरबा आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि नवरात्रि आस्था, आराधना और उपासना का पर्व है। ऐसे में गरबा कार्यक्रमों की गरिमा बनाए रखने के साथ सुरक्षा और अनुशासन की व्यवस्था करना भी जरूरी है। विहिप के जिला सह प्रमुख प्रचार-प्रसार विभाग सुमित मांजवानी ने बताया कि विहिप के विभाग मंत्री विश्वनाथ सिंह खारौल के मार्गदर्शन और बजरंग दल के विभाग संयोजक दुर्गेश द्विवेदी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आईजी को ज्ञापन सौंपा। इसमें गरबा पंडालों में होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखने, प्रवेश व्यवस्था को व्यवस्थित करने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। संगठन ने मांग की है कि गरबा आयोजनों में प्रवेश की व्यवस्था पारदर्शी और व्यवस्थित होनी चाहिए। इसके लिए वैध प्रवेश पास और पहचान-पत्रों का सत्यापन किया जाए। ज्ञापन में आधार कार्ड सहित पहचान-पत्रों की जांच के बाद प्रवेश देने की व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। गरबा पंडालों में महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर भी संगठन ने चिंता जताई है। ज्ञापन में प्रमुख आयोजनों के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और पंडालों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए, ताकि महिलाएं और युवतियां बिना किसी परेशानी के कार्यक्रम में शामिल हो सकें।

आमजनों को एक ही स्थान पर योजनाओं का लाभ देने का माध्यम है शिविर : सिरमौर विधायक

जन विश्वास शिविर बैकुण्ठपुर में 112 आवेदनों का हुआ मौके पर निराकरण

रीवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत बैकुण्ठपुर नगर परिषद में जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह ने किया। शिविर में आमजनता से मिले 214 आवेदन पत्रों में से 112 का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में स्वनिधि योजना, वृद्धावस्था पेंशन, संबल योजना तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। शिविर में विधायक सिरमौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन विश्वास शिविर के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को हल करने का अवसर दिया है। शिविर में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जन विश्वास शिविर मुख्यमंत्री जी की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है। इसमें आम जनता से प्राप्त हर आवेदन पत्र का समुचित निराकरण किया जाएगा। शिविर में शामिल जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अस्पताल, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र, छात्रावास का निरीक्षण भी किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर में पर्याप्त चौड़ी और ढकी हुई नाली बनाने का प्रस्ताव तीन दिन में तैयार करके





प्रस्तुत करें। नगर के स्टेडियम से जल निकासी की व्यवस्था कराएं। धारणाधिकार योजना से 105 परिवार पात्र पाए गए हैं। तहसीलदार इन्हें भू अधिकार पत्र पदान करे। कलेक्टर ने आम जनता के आवेदन पत्रों की विभागवार सुनवाई करके उनका निराकरण कराया। शिविर में अध्यक्ष नगर परिषद श्रीमती मीना गुप्ता, तीरथ गुप्ता, उपाध्यक्ष बृजेन्द्र भुजवा, चन्द्रशेखर कुशवाहा, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी हेमंत सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, जिला और खण्ड स्तर के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

उद्यम संवाद का हुआ आयोजन

शिविर में उद्योग विभाग द्वारा उद्यम संवाद का आयोजन किया गया। जिला महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी ने उद्योग विभाग की स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी। उद्यम संवाद में सफल उद्यमी राइस मिल, फ्लोर मिल तथा वेयर हाउस संचालक भारतेश तिवारी तथा राइस मिल संचालक पुष्पेन्द्र सिंह ने अपने उद्यमों की सफलती की कहानी सुनाई। शिविर में एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिविर के उद्देश्यों की जानकारी दी।

कलेक्टर ने किया सेवा सहकारी समिति तथा अस्पताल का किया निरीक्षण

सेवा संकल्प अभियान के तहत बैकुण्ठपुर नगर परिषद में जन विश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर के साथ विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण भी किया गया। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सेवा सहकारी समिति बैकुण्ठपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति खाद-बीज के वितरण और समर्थन मूल्य में गेंहू और धान के उपार्जन के साथ अपने कार्य का विस्तार करे। समिति में प्रत्येक किसान को सदस्य बनाएं। किसानों की मांग के अनुसार उन्हें आगामी फसल के लिए गेंहू और सरसों के उन्नत बीज उपलब्ध कराएं। गत वर्ष समिति ने 2.32 करोड़ का कृषि ऋण दिया तथा 2.16 करोड़ की वसूली करके अच्छा कार्य किया है। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने पर विशेष ध्यान दें। धान उपार्जन के लिए आवश्यक तैयारी कर लें। समिति में उपस्थित किसानों से कलेक्टर ने खाद वितरण की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा केवल ऑनलाइन मिल रही है।

टाटा न्यूक्लियर प्लांट के विरोध में उतरे हजारों ग्रामीण, रोका बोर होल का काम

सरई कला और रोझौही में पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में हुआ विरोध ग्रामसभा के प्रस्तावों का हवाला देकर परियोजना निरस्त करने की मांग

रीवा। जिले की सिरमौर तहसील के सरई कला और रोझौही क्षेत्र में प्रस्तावित टाटा न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर लगातार विरोध जारी है, शुक्रवार को परियोजना स्थल पर बोरहोल का काम कराने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सरई कला, रोझौही और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और काम रुकवा दिया। स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल और कंपनी के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे।

ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने क्षेत्र में परमाणु बिजली संयंत्र स्थापित नहीं होने देंगे। उनका आरोप है कि परियोजना से पर्यावरण, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने प्रस्तावित परियोजना के लिए ग्राम पंचायत की ओर से जारी कथित अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी आपत्तियों का समाधान नहीं होता, तब तक परियोजना से जुड़ी गतिविधियों का विरोध जारी रहेगा।जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर को परियोजना से जुड़ी तकनीकी प्रक्रिया के तहत बोरहोल का काम कराने के लिए प्रशासनिक अमला,





पुलिस बल और कंपनी के प्रतिनिधि क्षेत्र में पहुंचे थे। मौके पर सिरमौर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार बिंदु तिवारी, गढ़ थाना प्रभारी अवनीश पांडेय और लालगांव चौकी प्रभारी शैल यादव मौजूद थे।

इसके अलावा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के अधिकारी यूके तिवारी, परमाणु ऊर्जा से संबंधित संस्था न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के वैज्ञानिक श्री जैन तथा टाटा कंपनी के प्रतिनिधि परशुराम मिश्रा सहित इंजीनियर भी मौके पर पहुंचे थे। बोरहोल की प्रक्रिया शुरू कराने के दौरान ग्रामीणों ने एकत्र होकर विरोध जताया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ बढ़ गई। प्रदर्शनकारियों ने परियोजना के खिलाफ नारेबाजी करते हुए काम रोकने की मांग की। ग्रामीणों के विरोध के कारण बोरहोल का काम आगे नहीं बढ़ सका।

मऊगंज पुलिस द्वारा अवैध नशीली कफ सिरप की बडी खेप जब्त

मऊगंज। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय खोब्रागडे की टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध नशीली कफ सिरप की खेप जब्त की गई है।

देहात एवं कस्वा भ्रमण के मुखबिर सूचना मिली कि एक सफेद रंग की बोलेरो से अवैध नशीली कफ सिरफ बहेरा डाबर होते कमर्जी सीधी की ओर जाने वाली है। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से तत्काल वाहन चेकिंग लगाई जाकर वाहन की घेराबंदी की गई, पुलिस कार्रवाई के दौरान संदिग्ध बोलेरो चालक ने पुलिस को देखकर वाहन को तेज गति से भागने का प्रयास किया। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से संदिग्ध वाहन को आरोपी सहित पकड़ कर वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 356 शीशी अवैध मादक पदार्थ कोरेक्स कीमती 71,734 रुपये के एवं



एक बोलेरो तथा 03 अदद एन्ड्राइज मोबाइल जप्त कर थाना मऊगंज में धारा 8,21,22 एन. डी. पी. एस. एक्ट 5/13 ड्रग्स कन्ट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबध्द किया गया है।गिरफ्तार आरोपी- अभिषेक सिंह चौहान पिता पुष्पराज सिंह उम्र 25 साल निवासी बघवाडी थाना जमोडी जिला सीधी (म.प्र.) का रहने वाला है। जिला मऊगंज पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विक्रय, परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखते हुए प्रकरणों में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाय चराने को लेकर विवाद, सुबह घर से निकलते ही 72 वर्षीय बुजुर्ग की पीट-पीटकर

रीवा

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के डेल्ही गांव में मवेशी चराने को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बुजुर्ग की मौत का कारण बन गया। यहां 72 वर्षीय दधिवल शुक्ला की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि परिवार के ही लोगों ने उन्हें जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत गाय चराने को लेकर हुई थी। बताया जा रहा है कि



दधिवल शुक्ला ने बीती रात परिवार के कुछ लोगों को गाय चराने से मना किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। रात में शुरू हुआ विवाद अगले दिन सुबह फिर बढ़ गया और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। परिजनों के मुताबिक, दधिवल शुक्ला शुक्रवार सुबह अपने घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा गया। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने इस मामले में परिवार के ही देवराज और उनके भाईलाल पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि गाय चराने को लेकर हुए विवाद के बाद ही दधिवल शुक्ला के साथ मारपीट की गई। हालांकि, घटना के पीछे की पूरी वजह और वारदात में किसकी क्या भूमिका रही, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही बैकुंठपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और परिजनों के आरोपों के आधार पर जांच कर रही है।